

nt>

12.04 hrs.

Title: Regarding disinvestments of Hindustan Petroleum Corporation Ltd. (HPCL) and Bharat Petroleum Corporation Ltd. (BPCL).

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): On the issue concerning the sale of HPCL and BPCL, we were told that the Minister of Parliamentary Affairs will make a statement in the House.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, इसको शून्यकाल के बाद ले लें। **â€**(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will come to that during the 'Zero Hour'. If you want it to be taken up now, I have no problem. Otherwise, I have agreed to take it up during the 'Zero Hour'. (o1/1205/rpm/kmr)

We have agreed yesterday that the Minister would give his speech today at 12 noon. So, after the papers are laid on the Table, we have taken it up.

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Sir, since the commencement of this Session we have been saying that the decision of the Government for disinvestment of profit-making HPCL and BPCL is a serious matter. It is a dilution of the authority of this Parliament. Whatever may be the opinion of the Comptroller and Auditor General of India, the Cabinet is divided on this issue. The NDA partners are divided on this issue. The employees and workers, and even the management of these companies, are opposed to this disastrous decision which is against the national interest. The Opposition is almost united on this particular issue. ...*(Interruptions)* It is fully united on this issue.

We demand that this issue should be taken up in all its urgency. This Government has been assuring us that it would not proceed any further until this Parliament has a full-fledged debate on this issue. The Minister himself is opposed to this disinvestment. The NDA partners have come out publicly against the decision. Nationalisation of these companies had taken place by an Act of this Parliament. The Government should not proceed any further in this matter till a full-fledged debate takes place in Parliament and the voice of the Parliament is heard.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, डिसइनवैस्टमेंट के मुद्दे पर सरकार को चर्चा कराने में कोई आपत्ति नहीं है। मैं माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए बता दूँ कि इसी सत्र के दौरान दूसरे सदन, राज्य सभा में इस पर चर्चा हुई है। हमें लोक सभा में चर्चा कराने में किसी तरह का कोई ऐतराज नहीं है।

मेरा आपके माध्यम से विनम्र निवेदन है कि सत्र का यह भाग केवल 13 मार्च तक चलेगा और इस बीच मैं हमें रेल बजट और सामान्य बजट पारित करना है। सामान्य बजट पर बोलते समय विनिवेश के मुद्दे पर भी हमें अपनी बात कहने का अवसर मिलेगा। इसके बावजूद, यदि माननीय सदस्य, विनियोग के मुद्दे पर पूरी चर्चा चाहते हैं, तो इसी सत्र के उत्तरार्ध के प्रारम्भ में ही इस चर्चा को ले सकते हैं। **â€**(व्यवधान)

SHRI RUPCHAND PAL : No decision should be taken against the interest of these institutions.

श्रीमती सुमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, इस बीच, यदि रूप चन्द पाल जी एवं अन्य सदस्यों को लगता है कि सरकार कुछ कर लेगी। मैं आपके माध्यम से सदन को आश्वासन देना चाहती हूँ कि यह जो रेसिस का समय है, इसमें एच.पी.सी.एल. और बी.पी.सी.एल., दोनों में से ही किसी भी कंपनी का चरित्र नहीं बदलेगा और वे पब्लिक सैक्टर में ही बनी रहेंगी। बाद में हम इस पर चर्चा कर लेंगे।

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती सुमा स्वराज : शुक्रिया, ऐसे ही यदि धन्यवाद मिलता रहे, तो खुशी होती है।

अध्यक्ष महोदय : सदन में ऐसा ही एटमॉस्फीयर बना रहे, तो अच्छा है।